प्रकाशनार्थ

7 मई, 2024 गोरखपुर

गुरूदेव रवींद्रनाथ टैगोर का जन्म 7 मई सन् 1861 को कोलकाता में हुआ था। रवींद्रनाथ टैगोर एक कवि, उपन्यासकार, नाटाकार, चित्रकार और दार्शनिक थे। रवींद्रनाथ टैगोर एशिया के प्रथम व्यक्ति थे, जिन्हें नोबल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वे अपने माता-पिता की तेरहवीं संतान थे। आज इन्हीं के तत्वधान में हमारें गुरू श्री गोरक्षनाथ ब्लड बैंक में एक शिविर का आयोजन किया गया ।

रक्तदान शिविर के बारे में ब्लड बैंक प्रभारी डॉ अवधेश अग्रवाल ने कहा कि वे सर्वप्रथम लोगों के प्रति खुशी व्यक्त करते हुए धन्यवाद देते हैं और उन्होनंे कहा कि युवाओं में रक्तदान को लेकर बहुत सारी भ्रांतियां दुर हो रही हैं और वह अब रक्तदान के प्रति जागरूक हो गए हैं, स्वंय भी रक्तदान कर रहे हैं और लोगों को प्रेरित भी करते हैं। यह मानवता के लिए एक अच्छा संदेश है।

रक्तदान के बारे में ब्लड बैंक प्रभारी डॉ अवधेश अग्रवाल ने यह बताया की एक युनिट ब्लड से तीन जिंदगी बचाई जा सकती है। उन्होंने शिविर में जागरूकता के लिए उपस्थित रक्तदाताओं से कहा की रक्तदान करने से स्वंय का शरीर भी स्वस्थ रहता है और कई गंभीर बीमारियो से छुटकारा मिलता हैं। ऐसे में समय-समय पर रक्तदान अवश्य ही करतें रहना चाहिए।

ब्लड बैंक प्रभारी डॉ अवधेश अग्रवाल ने रक्तदाताओं को रक्तदान से संबंधित आवश्यक जानकारीयों एंव सावधानियों से अवगत कराया, इनकी उपस्थिति से रक्तदाताओं में भारी उत्साह वर्धन हुआ तथा रक्तदान के संबंध में अनावश्क भा्रंतिया को भी दूर किया गया। इस अवसर पर कुल 20 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया जैसे- अमित, आनन्द कुमार सैमर, पियुष शुक्ला, पंकज जयसवाल, तुलसी प्रसाद आदि लोगों ने रक्तदान किया ।

इस रक्तदान शिविर को सफल बनाने में अमित मिश्रा, चन्द्रेश्वर, जसवीर सिंह, निधि नायक, गार्गी, सतिश, पल्लवी, अंकिता, आदि रहे और उन्होनंे रक्तदान शिविर को संपन्न कराया।